

ग्रसाधारण

### EXTRAORDINARY

भाग II---काण्ड 3--- उपलण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाहित

# PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 213]

नई दिल्ली, शुक्रवार, भ्रमेल 21, 1972/वैशात 1, 1894

No. 213]

NEW DELHI, FRIDAY, APRIL 21, 1972/VAISAKHA 1, 1894

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्यादी अपती है जिस्से कि यह इस्टर सक्ष्य के रूप में रखा जासके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

### MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT

#### ORDER

New Delhi, the 21st April, 1972.

- 8.0. 306(E)/IDRA/18G/72.—In exercise of the powers conferred by section 18G and section 25 of the Industries (Development & Regulation) Act, 1951 (65 of 1951) and all other powers enabling it in this behalf, the Central Government hereby makes the following Order further to amend the Cement Control Order, 1967, namely,
  - (1) (i) This Order may be called the Cement Control (Amendment) Order, 1972.
    - (ii) It shall come into force with immediate effect.
  - (2) In clause 8 of the Cement Control Order, 1967,
    - (i) in item (a) for the figures "159.83" the figures "162.00" shall be substituted.
    - (ii) in item (b) for the figures "136.83" the figures "139" shall be substituted.

[No. 1-13/72-CEM.]

C. BALASUBRAMANIAM, Jt. Secy.

## ग्रीग्रोशिक विकास मंत्र लय

### श्रादेश

# नई दिल्ली, 21 अप्रैल, 1972

का॰ आ॰ 306(भ्र)/माई॰ डी॰ प्रार॰ ए॰ 18जी/72.—उद्योग (विकास तथा विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 जी तथा 25 के द्वारा प्रदत्त मिलत्यों तथा इस मामले में इसे समर्थ बनाने वाली अन्य सभी मिलत्यों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्- द्वारा सीमेंट नियंत्रण मादेश. 1967 में और अभेतर संशोधन करने के लिये निम्नलिखित आदेश जारी करती है, अर्थात् :—

- 1. (1) यह भादेश मीमेंट नियंत्रण (संशोधन) आदेश, 1972 कहलायेगा ।
  - (2) यह तत्काल लागू हीगा।
- 2. सीमेंट नियंत्रण मादेश, 1967 की धारा 8 में,
  - (1) मद (क) में "159.83" संख्या के संवान पर "162.00" संख्या रखी जायेगी !
  - (2) मद (ख) में "136.83" संख्या के स्थान पर "139.00" संख्या रखी जायेगी।

[सं॰ 1-13/72-सी॰ ई॰ एम॰]

भी० बालसुब्रह्मण्यम, संयुक्त शिचव ।